

क्रमांक-3

# आशा

विद्यालय पत्रिका

2021-22



केंद्रीय विद्यालय बाम्बोलिम कैंप, गोवा

# बोर्ड परीक्षाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शक 2021-22

## OUTSTANDING PERFORMERS IN BOARD EXAMINATION 2021-22



**RAJDEEP BAKOLIA**

**97%**  
**CLASS XII SCIENCE**



**TEJAS KUMAR PANDIT**

**94.6%**  
**CLASS XII COMMERCE**



**ZARIA ZAHIR SHAIKH**

**97.4%**  
**CLASS X**



## Message from the Chairman, VMC

It gives me immense pleasure to learn that Kendriya Vidyalaya Bambolim Camp is bringing out its annual magazine 'Vidyalaya Patrika ' for the current academic year 2022-23. A school magazine nurtures the latent literary and creative talents of the students and provides a platform to display them. Hope this endeavour by the Vidyalaya satisfies and nourishes the creative urges of the students.

In this day and age when mobiles and social media rule the roost among the youth, it is heartening to see the students of the Vidyalaya showcase their creativity through this magazine. May this magazine motivate the students and kindle their interest in reading, writing and art.

I would like to compliment all those who have contributed to this magazine including the students, staff, editorial board and the visual design team who have toiled to bring this ingenious venture to full fruition.

As the Chairman of the Vidyalaya Management Committee, I extend my felicitations to the entire Vidyalaya family.

**Brigadier A S Sawhney**  
**Commandant, 2STC Goa &**  
**Chairman, VMC KV Bambolim Camp**



## केन्द्रीय विद्यालय संगठन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

संभागीय कार्यालय, आईआई.टी. कैम्पस., पवई, मुम्बई 400076-

**KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN**

(Under Min. of Education, Govt. of India)

Regional Office: IIT Campus, Powai, Mumbai-400076.

दूरभाष/ Tel. (022) 2572 8060/2328/6763/1614/0717 (EAPBX)

ई-मेल/E-mail : [kvsmumbairegion@gmail.com](mailto:kvsmumbairegion@gmail.com)

WEBSITE : <https://romumbai.kvs.gov.in>



### संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय बाम्बोलिम, गोवा, द्वारा सत्र 2022-23 की विद्यालय पत्रिका 'आशा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालयों का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों की प्रतिभा, रुचि और मनोवृत्ति के अनुरूप उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करते हुए उनका चहुमुखी विकास करना है। विद्यालय पत्रिका मौलिक दृष्टिकोण एवं विचारों की अभिव्यक्ति का उत्तम मंच एवं नवाचारों को साझा करने का प्रभावी माध्यम है। विद्यालय पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों को उनके रचनात्मक कौशल एवं नैसर्गिक प्रतिभा को मूर्त रूप देने का सुनहरा अवसर भी प्रदान करती है।

केन्द्रीय विद्यालय बाम्बोलिम, गोवा, की विद्यालय पत्रिका 'आशा' के प्रकाशन के अवसर पर इस प्रक्रिया से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, संपादक मंडल एवं प्राचार्य को मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं और आशा करती हूं कि यह विद्यालय पत्रिका सुरुचिपूर्ण पाठन सामग्री के साथ वैचारिक अभिप्रेरण भी प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(सोना सेठ)

उपायुक्त

प्राचार्य  
केन्द्रीय विद्यालय  
बाम्बोलिम, गोवा



## केन्द्रीय विद्यालय बाम्बोलिम कैंप, गोवा

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)  
बाम्बोलिम कैंप, गोवा - ४०३२०१

**KENDRIYA VIDYALAYA BAMBOLIM CAMP,  
GOA**

(UNDER MIN. OF HRD, GOVT. OF INDIA)  
BAMBOLIM CAMP, GOA-403201.

दूरभाष / TEL. (0832) 2458783 / 2458560

E-MAIL: BAMBOLIMKV@GMAIL.COM

CBSE AFFILIATION NO.: 2800003

SCHOOL CODE: 34803

## प्राचार्य का सन्देश

शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रथम सोपान है। शिक्षा से ही विद्यार्थी जीवन में उत्कर्ष को पा सकता है। इस उत्कर्ष की ओर अग्रसर विद्यार्थियों के सहायक के रूप में विद्यालय प्रबंधन और शिक्षक गण अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। विद्यालय में अध्ययनरत हर विद्यार्थी में विद्यमान प्रतिभा को निखारने और नये आयाम देने का कार्य विद्यालय प्रबंधन और शिक्षक गणों द्वारा पूर्ण परिश्रम व निष्ठापूर्वक किया जाता है। केन्द्रीय विद्यालय विद्यार्थियों, शिक्षकगण व विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों के कारण ही शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के श्रेष्ठ आधारभूत लक्ष्यों के मूल में विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा के विकास के साथ राष्ट्र के लिए आदर्श नागरिक तैयार करना है। विद्यालय में हर स्तर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अथक प्रयास किये जाते हैं। इसी प्रयास का एक उदाहरण है विद्यालय पत्रिका 'आशा', जिसके तृतीय संस्करण में विद्यार्थियों की प्रतिभा का सृजनात्मक पक्ष प्रकट होता है।

मैं विद्यालय पत्रिका 'आशा' के तृतीय संस्करण के प्रकाशन पर सम्पादक मंडल की सराहना करता हूँ और समस्त विद्यार्थियों व शिक्षकों कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामना देता हूँ, साथ ही मूल्यवान मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उपायुक्त महोदया, क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग का तथा अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति का बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

आर ए पाटिल  
प्राचार्य



## सम्पादक मंडल की ओर से

सृजनात्मकता के विविध रूप होते हैं। रचनाशीलता के विकास को उच्चतम सोपान पर स्थित करने में सहायक होती है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और रचनाशीलता का प्रतिबिम्ब होती है। विद्यालय के समस्त विद्यार्थी शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक, सांस्कृतिक, कला-संगीत व खेल-कूद आदि गतिविधियों में सदैव सहभागिता निभाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। विद्यार्थियों की लेखन व कलागत रुचियों के साथ के साथ उक्त समस्त क्षेत्रों में प्रोत्साहन व सम्मान देने का सबसे बेहतर माध्यम है विद्यालय पत्रिका। विद्यालय पत्रिका में स्थान पाकर उनके लेखन व कला के प्रति उत्साह में वृद्धि होती है और हर क्षेत्र में बेहतर करने की प्रेरणा जागृत होगी। मुझे प्रसन्नता है कि इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाएं मौलिक और स्वरचित है जो यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थी सृजनात्मकता की ओर अग्रसर है। इन्हीं नन्हें लेखकों और कलाकारों की रचनाओं से परिपूर्ण यह विद्यालय पत्रिका 'आशा' का तृतीय संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत है। इस प्रकाशन के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद प्रेषित करता हूँ। केंद्रीय विद्यालय बाम्बोलिम कैम्प, गोवा के समस्त विद्यार्थियों, छात्र सम्पादक मंडल, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों तथा प्राचार्य महोदय के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित...

सम्पादक

डॉ. जितेन्द्र बोकोलिया  
स्नातकोत्तर शिक्षक - हिन्दी

## सम्पादक मंडल

- श्री जूड जोसेफ़ ( स्नातकोत्तर शिक्षक - अंग्रेजी )  
श्रीमती विद्या तुलसीधरन ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - अंग्रेजी )  
श्रीमती सुमन सिंह ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - अंग्रेजी )  
श्रीमती अनुक्षमा सरदेसाई ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - हिंदी )  
सुश्री पूजा कुडास्कर ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - हिंदी )  
श्रीमती प्रियंका मिश्रा ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - कला शिक्षा )  
श्रीमती इतिश्री पाढी ( प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका - संस्कृत )  
श्रीमती नित्या के एन ( प्राथमिक शिक्षिका )  
श्रीमती सोनिया मेहानी ( प्राथमिक शिक्षिका )

## छात्र सम्पादक मंडल

- खुशी प्रजापति कक्षा - 12 अ  
मुस्कान कुमारी कक्षा - 12 अ  
सौम्या जोशी कक्षा - 11 अ  
राजनाला सत्या कक्षा - 10 अ

आवरण पृष्ठ- हिया मजुमदार, कक्षा 10 ब

# हिंदी विभाग





# उठो !

अब तक कई परीक्षाएँ हुई  
कुछ में जीत हुई, कुछ में हार हुई  
कुछ में खुशी हुई, कुछ में आँसुओं की धारा बही ।

सफलता हुई, पर असफलता भी हुई  
पर अंदर से एक आवाज़ आना बंद कभी नहीं हुई, उठो !  
उठो ! आज हार हुई है लेकिन कुछ खत्म नहीं हुआ है  
आज आँसुओं की धारा बही है  
कल आँखों में खुशियों के आँसु बहेंगे

आज असफलता मिली है परन्तु सफलता पाने  
का जज़्बा अब भी खत्म नहीं हुआ है  
इसलिए  
उठो !

**सौम्या जोशी**  
**बारहवीं अ**

# हमेशा अपने सपनों को आगे रखो ।

हमेशा अपने सपनों को आगे रखो ,  
उन्हें मिटने ना दो , उन्हें झुकने न दो ।  
अगर आप अपने लक्ष्य से चूक जाते हो,  
तो यह आपकी सबसे बड़ी असफलता होगी।

हमेशा अपने सपनों को आगे रखो ।  
जिंदगी में कुछ भी पहुंच से बाहर न होगा ,  
अगर आप जिंदगी में कुछ कर दिखाने का जुनून रखते हो ।

हमेशा अपने सपनों को आगे रखो ।  
चाहे आपके सपने कैसे भी हो ,  
आपका विश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

अपने सपनों को बस सपना मत समझो ,  
उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य बनाओ,  
जीवन के सुंदर गीत बनाओ ,  
उन्हें पाने का जज़्बा रखो ।  
यही सपने एक दिन एक खूबसूरत हकीकत बन जाएगी।

हमेशा अपने सपनों को आगे रखो !!

**पूजा दिवटे**  
**नवीं अ**

# पृथ्वी

घास है हरी-हरी  
घास है हरी-हरी  
फूल है रंग-बिरंगे ,  
फूल है रंग-बिरंगे ,  
उन पर तितलियाँ मंडराती,  
रंग-बिरंगी प्यारी-प्यारी ,  
बगीचा लगता सुंदर-सुंदर  
खुशियाँ जगाता मन के अंदर,  
जब पृथ्वी है पेड़ों से हरी-भरी,  
जल से भरी नीली-नीली,  
तब हम सब जीवन में,  
खुशियाँ सदा भरी-भरी ।

जाह्नवी  
दूसरी - ब

# “अब तक की उपलब्धियों के लिए अपने माता-पिता और शिक्षकों को सहायक मानती हूँ” - आयुषी साहू

केंद्रीय विद्यालय बाम्बोलिम कैम्प, गोवा की होनहार विद्यार्थी सुश्री आयुषी साहू के व्यक्तित्व और पढ़ने की लगन को अभिव्यक्त करता है - यह साक्षात्कार। साक्षात्कार कर्ता है सुश्री खुशी प्रजापति।



खुशी प्रजापति- आपके परिवार के बारे में बताइए।

आयुषी साहू- मेरे परिवार में पाँच लोग हैं, मेरे पापा का नाम श्री पवन साहू और मां का नाम श्रीमती प्रीति साहू है। मेरी बड़ी बहन का नाम वैष्णवी साहू हैं और एक छोटा भाई है आदित्य साहू।

खुशी प्रजापति- अपने बारे में कुछ बताएं।

आयुषी साहू- मैं बचपन से ही बहुत ज़्यादा बातूनी और मिलनसार थी। लेकिन के वि में आने के बाद वह व्यवहार अलग ही स्तर पर पहुंच गया। मैं उत्तरप्रदेश से हूँ लेकिन के वि से पहले सिर्फ मुंबई और गोवा के स्कूलों में थी। लेकिन के वि में आते ही सभी तरह के लोगों से मिलने का मौका मिला।

खुशी प्रजापति- जब आपका दाखिला केंद्रीय विद्यालय बाम्बोलिम कैम्प में हुआ तब आपका यहाँ का अनुभव कैसा रहा ?

आयुषी साहू- यहाँ के सी. सी. ए. ( सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां ) ने मुझे अपनी कई सारी काबिलियत से अवगत कराया और अनुकूल प्रतियोगिता की भावना भी मुझमें जागी।

खुशी प्रजापति- कक्षा दसवीं में आपने गोवा स्टेट टॉपर की उपलब्धि हासिल की थी, तो इसके लिए आपने पढ़ाई के कौनसे तरीके अपनाये ?

आयुषी साहू- प्राथमिक कक्षाओं में ( कई बार आठवीं कक्षा तक भी) सभी हल्के-हल्के में ही पढ़ते हैं। मेरी भी असली पढ़ाई नवमीं कक्षा से ही शुरू हुई थी। सच कहूं तो आज भी यकीन नहीं होता कि मैं प्रथम आई थी। कक्षा दसवीं की शुरुआत से ही सभी अध्यापकों ने मन में ही यह विचार बिठा दिया था कि यह एक साल आपकी पूरी जिंदगी का फैसला करेगा। फिर लोगो ने किताबे और सहायक सामग्री खरीदनी शुरू की, सब कोचिंग या ट्यूशन जाने लगे, जिस कारण सबने शुरुआत में ही पढ़ना शुरू कर दिया था। मैं कहीं नहीं गई थी वरना मुझे खुद से पढ़ने का समय ही नहीं मिलता। मैंने अपनी सारी पाठ्यपुस्तकें नौ से दस बार पूरी पढ़ ली थीं और तरीका काफी मददगार भी रहा क्योंकि सवाल भी वहीं से आए थे।

खुशी प्रजापति- आपकी पढ़ाई और इस उपलब्धि के संबंध में आपके माता-पिता के विचार क्या हैं ?

आयुषी साहू- उनका कहना है कि मुझे यह उपलब्धि नहीं भी मिलती तो भी वह मुझ पर हमेशा गर्व करते। मेरे माता-पिता बहुत ही सहायक हैं, उन्होंने कभी भी मेरे पढ़ने के तरीके पर प्रश्न नहीं किया। जो भी किताबें मांगी लाकर दी। फिर यह खुशखबरी सुनने पर उनकी आँखें खुशी के कारण छलक गयीं ।

खुशी प्रजापति- बहुत से लोग होते हैं जो कुछ कारणों से पढ़ते हैं जैसे टॉपर बनने के लिए, वैसे ही आपका क्या कारण था ?

आयुषी साहू- मुझे टॉपर होने की इच्छा कभी थी ही नहीं, मेरे मन में बस मेरा भविष्य था। क्योंकि सब यही कहते हैं कि दसवीं के अंक हर जगह देखे जाते हैं, तो मैं चाहती थी की भविष्य में जब कोई मेरे अंक देखे तो मुझे शर्म न आए ।

खुशी प्रजापति- आपका मन पसंद विषय क्या है? आपको और क्या क्या करना पसंद है?

आयुषी साहू- मेरा मनपसंद विषय है जीव विज्ञान और हिन्दी । मुझे किताबें पढ़ना बहुत पसंद है।

खुशी प्रजापति- कक्षा बारहवीं की पढ़ाई ऑनलाइन हुई जिसके वजह से कई मुश्किलें तो आई ही होंगी, तो फिर आपने उसका समाधान कैसे निकाला ?

आयुषी साहू- ऑनलाइन कक्षा में पढ़ते हुए भी कभी-कभी हम सोते थे। नेटवर्क का न होना एक सच्चाई और बहाना दोनों था, मन भी नहीं लगता था । एक साथ अच्छे से पढ़ाई नहीं हो पाती थी, ध्यान नहीं लगा पाते थे। हम लोगों की पढ़ाई सही ढंग से हो नहीं पायी क्योंकि सबके लिए यह सब कुछ नया था। इसका समाधान बस था खुद से पढ़ना और शिक्षकों की सहायता से लगातार सीखते रहना ।

खुशी प्रजापति- हिंदी विषय से सम्बंधित कुछ अनुभव हो तो बताएं |

आयुषी साहू- हिंदी एक ऐसा विषय था जिसने मेरे व्यक्तित्व को निखारने में काफी मदद की। यह मेरी मातृभाषा है और इसे सीखना एक अद्भुत अनुभव था। हमने हिंदी में जो पाठ पढ़े थे, उन्होंने मेरे चरित्र में कुछ बहुत अच्छे संस्कारों का विकास किया और मुझे खुशी है कि मैंने अपनी उच्च कक्षाओं में भी हिंदी विषय का चयन किया।

हमारी अन्य विषयों के विपरीत, हिंदी की कक्षाएं मज़ेदार और मनोरंजक हुआ करती थीं। हिंदी की कक्षाएँ न केवल तथ्यों बल्कि मूल्यों में भी शिक्षाप्रद थीं। हिंदी की कक्षाओं ने मेरी कम्युनिकेशन स्किल्स में काफी सुधार किया। इस विषय ने मेरी रचनात्मकता को भी बढ़ाया क्योंकि हम बहुत सारे निबंध और कविताएँ लिखते थे। मुझे तथ्यात्मक जानकारी से परे चीजों की कल्पना करना सिखाया। सहानुभूति सिखाई, जो मेरे हिसाब से सबसे महत्वपूर्ण मूल्य है जो हर किसी के पास होना चाहिए।

खुशी प्रजापति- आपकी दृष्टि में सफलता की परिभाषा क्या हो सकती है ?

आयुषी साहू- किसी भी व्यक्ति के लिए सफलता उस स्तर तक पहुंचना होता है जब वह अपने जीवन के मूल लक्ष्य प्राप्त कर पाएं। सभी के अलग-अलग लक्ष्य /उद्देश्य होते हैं। मेरे लिए यह उस मुकाम तक पहुंचना है जहां मैं अपने परिवार और दोस्तों को गौरवान्वित कर सकूँ, हमारे समाज के विकास के लिए कार्य कर सकूँ और एक अच्छा, स्वस्थ जीवन जी सकूँ ।

खुशी प्रजापति- आप अब तक प्राप्त उपलब्धियों के लिए किन्हें सहायक मानती हैं ?

आयुषी साहू- मैं अपनी अब तक की उपलब्धियों के लिए अपने माता-पिता और शिक्षकों को सहायक मानती हूँ।

खुशी प्रजापति- वर्तमान में आप क्या कर रही हैं और भविष्य की क्या योजनाएं हैं ?

आयुषी साहू- मैं वर्तमान में गोवा मेडिकल कॉलेज में आयुर्विज्ञान तथा शल्य-विज्ञान स्नातक ( MBBS) कर रही हूँ।

भविष्य में मैं डॉक्टर ऑफ मेडीसिन शरीर रचना विज्ञान ( MD ANATOMY) करना चाहती हूँ। इसके माध्यम से समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए निस्वार्थ सेवा करना चाहती हूँ

खुशी प्रजापति- आपका बहुत-बहुत धन्यवाद |

# हीरा बन चमकूंगी

तुम मुझे चाहे कितना भी हराना चाहो ,  
हो सकता है हार जाऊं, पर हार कभी नहीं मानूंगी  
तुम चाहे कितना भी गिराना चाहो ,  
हो सकता है गिर जाऊं पर उठना कभी नहीं छोड़ूंगी  
चोट लगेगी, सह लूंगी  
पर लड़ना नहीं छोड़ूंगी

जितना भी डराना चाहो , डरा लो  
पर सिर उठाके चलना नहीं भूलूंगी  
तुम मुझे कितना भी पीछे क्यों न छोड़ दो  
दौड़ कर, मैं फिर आगे जाऊंगी  
इस भीड़ में कितना ही अकेला क्यों न छोड़ दो  
मैं अपनी पहचान खुद बनाऊंगी  
तोड़ दो, गिरा दो ,हरा दो जो बन सकता है तुमसे  
वो सब करो  
पर अंत में , मैं हीरा बन चमकूंगी।

सौम्या जोशी  
बारहवीं अ

## कबूतर

मैं कबूतर , मैं कबूतर,  
धूसर- धूसर रंग मेरा ।  
चावल के दाने खाता,  
गुटर गूं , गुटर गूं मैं कहता ।

वरद विनय पाटिल  
दूसरी ब



## तितली

तितली तितली मैं तितली  
रंग – बिरंगी पंखोवाली मैं तितली  
इंद्रधनुष्य की छटा बिखेर,  
हर बगीचे में मैं घुमु ,  
फूल फूल को मैं सुंघू ।  
तितली तितली मैं तितली  
ऐसी हूँ मैं तितली ।

राधा देसाई  
दूसरी ब





## मातृभाषा का महत्व

हमारी मातृभाषा हिंदी है। यह हमारी पहचान है। इससे हमें अपने अस्तित्व का पता चलता है एवं यही हमारे जीवन का सार भी है। हमारी मातृभाषा हमारे पहचान पत्र की तरह कार्य करती है। कभी आपने सोचा है अगर हिंदी हमारी मातृभाषा नहीं होती तो इस देश के सैकड़ों लोग जो अशिक्षित हैं वे अपने विचार किस तरह प्रस्तुत करते। हिंदी इतनी सरल भाषा है कि अगर कोई व्यक्ति अशिक्षित भी हो तो वह हिंदी की मदद से अपने विचार प्रस्तुत कर सकता है। इस लिए शायद किसी ने कहा है कि हिंदी दिल से निकली हुई भाषा है। हमारे देश में न जाने कितनी तरह की बोलियाँ प्रचलित हैं पर उन सारी बोलियों में एक हिंदी ऐसी बोली है जो अपने - पराये, ऊँच - नीच आदि जैसे सारे भेद भावों को हटाकर लोगों में एकता लाने का कार्य करती है। हिंदी हमारी ही नहीं बल्कि इस पूरे देश की पहचान एवं शान है। मैंने सुना है कि अंग्रेजों को भी भारत में आने से पहले हिंदी की शिक्षा लेनी पड़ी थी। इससे आप जान सकते हैं कि हमारी मातृभाषा हिंदी हमारे लिए कितनी महत्वपूर्ण है। अंत में इतना ही कहना चाहूँगी।

**आज स्याही से लिख दो तुम अपनी पहचान,  
हिंदी हो तुम, हिंदी से सीखो करना प्यार।**

**अनिता विजय कुमार सिन्हा  
बारहवीं अ**

## उड़ान

आओ आज मिलकर भरे  
एक ऊँची उड़ान |  
आओ आज कुछ ऐसा करे  
जो है सबसे अंजान |  
आओ आज देखले  
वो खुला मैदान |  
आओ आज छूले  
वो असीम आसमान |  
आओ आज उन अंजान पंछियों से  
बनाए अपनी पहचान |

सौम्या जोशी  
बारहवीं अ

## चार तत्व

पानी , आग, वायु, धरती है ,  
ये चार तत्व हमारे,  
चाहे होगा कुछ भी साथ नहीं छोड़ेंगे ,  
हाथ नहीं छोड़ेंगे।  
चार तत्वों की शक्ति मिलकर है  
हजार तत्वों की शक्ति ।  
आग देती है गरमी ,  
वायु देती है साँस ,  
पानी देती है ठंडक,  
धरती देती है सहारा।  
विश्वास होता है उनमे जो होते है अनमोल ।

वर्धन खोपकर  
दूसरी ब



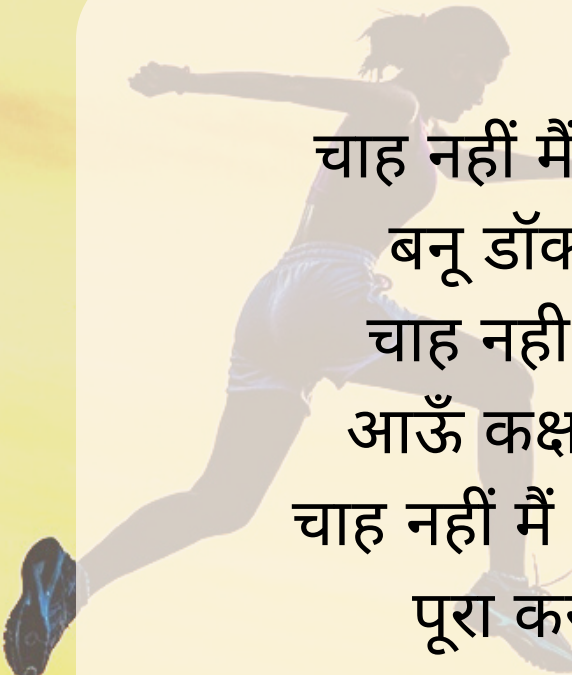
## हिंदी भाषा का महत्व

रामू एक गाँव में रहने वाला लड़का था , उसे अंग्रेजी बहुत कम आती थी पर वह बहुत विद्वान् था । एक दिन वह भाषण प्रतियोगिता के लिए चुना गया और उसे भाषण देने के लिए पास के शहर में जाना था । जिस शहर में उसे जाना था वो शहर बड़ा हाई – फाई था और वहाँ के लोग लल्लनटॉप अंग्रेजी बोलते थे । जब रामू को यह बात पता चली तो वह डर गया । डरते – डरते रामू शहर वाले स्कूल पहुंचा। सब कान्फ्रेंस रूम में मौजूद हुए । रामू ने जब सबका पहनावा देखा तो वह हँसते – हँसते फूल गया, कपड़े वही अंग्रेजों वाले । सबको एक एक कर भाषण देने बुलाया गया, पर सब वही रटा – रटाया भाषण बोल रहे थे । आखिरकार रामू की बारी आ ही गयी , उसका भाषण सुन कर सभी हक्के – बक्के हो गए।

कारण यह था कि रामू ने भाषण हिंदी में दिया और उसने भाषण अपने तरीके से कहा पुरे हाव – भाव के साथ। आश्चर्य वाली बात तो ये हुई कि वो जीत गया । जब उसे मंच पर पुरस्कार देने के लिए बुलाया तो उसने वहाँ मौजूद ‘ जज’ से पूछा कि उसने तो भाषण हिंदी में दिया जबकि अंग्रेजी में भाषण देना था । तो उन्होंने जवाब दिया कि “ अंग्रेजी सिर्फ एक भाषा है, हुनर की पहचान नहीं” सब अंग्रेजी का रट्टा मारते है पर हिंदी दिल की भाषा है उसे सब समझते हैं। उस दिन से रामू को हिंदी की परिभाषा समझ आ गई।

**मुस्कान कुमारी**  
**बारहवीं अ**

## मेरी अभिलाषा



चाह नहीं मैं खूब पढ़ - लिखकर  
बनू डॉक्टर या इंजीनियर,  
चाह नहीं मैं हर इम्तिहान में  
आऊँ कक्षा में प्रथम स्तर पर,  
चाह नहीं मैं दूसरों के अरमानो को  
पूरा करने में जूट जाऊँ,  
चाह नहीं मैं बड़ी होकर  
कोई अफसर कहलाऊँ,  
चाह है मैं खूब पढ़ लिखकर  
बनू करूणा पूर्ण और समझदार,  
चाह है मैं हर इम्तिहान में  
दू अपना उत्तम प्रयास,  
चाह है मैं अपनी अभिलाषा को  
पूरा करने जूट जाऊँ,  
चाह है मैं बड़ी होकर  
एक कामयाब व्यक्ति कहलाऊँ !

सौम्या जोशी  
बारहवीं अ

# खुशी

खुशी क्या है ?

खुशी शायद त्याग है ।  
जीवन यदि पुष्प है,  
तो खुशी उसका पराग है ।

साधक के लिए साधना है

किसी के लिए खुशी मधुशाला में  
एक प्याला है ।

किसी भूके पेट में एक  
भोजन का निवाला है ।

खुशी ढूंढते पराई खुशी में, वो  
जो मानव कल्याण वादी है  
खुश होते लेने में जीवन वो  
जो आतंकवादी है ।

कोई प्रातःकालीन व्यायाम में खुश है ।  
कोई औरों के सम्मान में खुश है ।  
कोई निज अभिमान में खुश है ।  
और कोई विद्यादान में खुश है ।

प्रेमी को प्रियतमा की एक झलक है खुशी  
दोपहर में थके पथिक को दुर्लभ छाया है खुशी ।

खुशी का कोई बाजार नहीं ,  
न ही ये व्यापार है ।  
अपनी - अपनी सबकी है ये ,  
ये तो निराकार है ।

तुम्हें खुशी कोई और न देगा ,  
ये तो अपना - अपना चयन ।  
इसे किसे कैसे है पाना,

टटोलो अपना अंतर्मन

सुमन सिंह  
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका- अंग्रेज़ी

## बारह साल बीत गए

बारह साल बीत गए  
इसी विद्यालय में।  
बारह साल बीत गए  
न जाने कितने शिक्षकों  
के छत्रछाया में,  
बारह साल बीत गए।  
न जाने कितने दोस्तों के साथ  
बारह साल बीत गए।  
अभी भी मुझे याद है वो दिन  
जब मैंने पहली बार इस  
विद्यालय में कदम रखा था,  
पर आज उस दिन को भी गुजरे  
बारह साल बीत गए।  
खत्म होने को आया ये सफर  
ये सफर कई सारी यादों का  
कुछ अच्छी-कुछ बुरी।

पर इन्हीं यादों के साथ  
बारह साल बीत गए।  
वो पल तब भी याद आयेंगे  
तब रुला जायेंगे  
और ये याद दिलाएंगे,  
की खत्म हो गया वो सुहाना सफर  
जिसे ज़िंदगी में हम  
बार बार जीना चाहेंगे  
जिसे चाह कर भी।

हम फिर न जी पायेंगे  
बारह साल बीत गए।  
इसी विद्यालय में  
बारह साल बीत गए।।

मुस्कान कुमारी  
बारहवीं अ

# ज़िन्दगी

जिंदगी के कोई मायने नहीं ,  
कभी गीरते है,  
तो कभी उठ जाते हैं।  
जिंदगी को खेल समझकर मत खेलो ,  
बल्कि परीक्षा समझकर उसे पास करो ।  
बुरा समय आता है कभी,  
तो कभी अच्छा समय आता है।  
हार मत मानो यही जिंदगी का महत्व है,  
भरोसा रखो उस उपर वाले पर ,  
बहुत कुछ सोचा है उसने तुम्हारे लिए,  
देखकर भी मत अनदेखा करो ,  
उन कठिनाइयों को,  
शायद वही हो तुम्हारे सगे,  
कठिनाइयाँ सिखाती है कैसे जिंदगी को जीना,  
खुशियाँ सिखाती है कैसे जिंदगी का महत्व समझना ।

हाना परेरा  
आठवीं ब



योग करे निरोग रहे  
योग है स्वास्थ्य के लिए क्रांति ,  
नियमित योग से जीवन मे हो सुख शांति ॥

योग कोई व्यायाम नहीं है बल्कि यह जीवन जीने का तरीका है ।  
आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी कई तरह के रोगों और स्वास्थ्य  
जीवन जीने के लिए योग की सलाह देता है । भारत में योग प्राचीन  
काल से शरीर को मजबूत रखने के लिए एक जीवन सूत्र रहा है और  
अब यह धीरे – धीरे पूरे विश्व में प्रचलित हो रहा है । योग को बढ़ावा  
 देने के लिए कई शहरों में कैंप लगाकर लोगों को इसका अभ्यास  
 कराया गया । योग न केवल हमारे शरीर को बल्कि मन और  
 आत्मिक बल को शांति और संतुष्टि प्रदान करता है । दैनिक जीवन  
 में भी योग के कई फायदे है । योग स्त्री ,पुरुष,बच्चे,युवा,वृद्ध सभी  
 के लिए फायदेमंद है । शरीर क्षमताओं एवं लोच के अनुसार योग में  
 परिवर्तन और बदलाव किया जा सकता है । योग से मानसिक  
 क्षमताओं का विकास होता है और स्मरण शक्ति पर गुणात्मक प्रभाव  
 होता है । योग मुद्रा और ध्यान मन को एकाग्र करने में सहायक होता  
 है । एकाग्र मन से स्मरण शक्ति का विकास होता है , प्रतियोगिता  
 परीक्षाओं में तार्किक क्षमताओं पर आधारित प्रश्न पूछे जाते है ।  
 योग शरीर को सेहतमंद बनाए रखता है । योग के दौरान गहरी सांस  
 लेने से शरीर तनाव मुक्त होता है, योग से रक्त संचार बेहतर होता  
 है और शरीर से हानिकारक टॉक्सिन निकल आते है । यह थकान,  
 सिरदर्द,जाड़ों के दर्द से राहत दिलाता है एवं ब्लड प्रेशर को सामान्य  
 बनाए रखने में भी सहायक होता है । प्राणायाम शरीर और मानसिक

स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है । प्राणायाम से व्यक्ति अपने सांसों पर  
 नियंत्रण करने का अभ्यास करता है ।

मुस्कान कुमारी  
बारहवीं अ

## वह किरण

बंद आँखों में अँधेरा सा छाया था,  
एक चुभन सी हुई ,  
अँधेरा हटा तो  
सूरज की किरण आँखों से होते हुए  
हृदय तक जा पहुँची

चुभन न कहना इस किरण को  
क्योंकि यह मुझे अब आनंद देती है ,  
मुझे अपना बना लेती है ,  
जैसे कोई गले लगा रहा हो ।

कभी सोचा है ? वह खुद जलता है  
और हमको रौशनी देता है ।  
में उसे जानती तो नहीं हूँ ,  
मगर पहचानती जरूर हूँ ।

भले ही वह किस्सा हो ,  
हर कहानी का

हमसे हमारी परछाई मिलती तो ,  
उसके रहते ही है ।

बिपना गुरुंग  
बारहवीं ब

.....तो कितना अच्छा हो  
यदि पानी के धार सा हो  
प्रेम का प्रसार तो कितना अच्छा हो |  
यदि टूट जाए दुनिया में खड़ी  
नफरत की विस्तृत दीवार  
तो कितना अच्छा हो |

यदि पर्वत की ऊंचाई सी हो  
अपनी सोच महान तो कितना अच्छा हो |  
सबको यहाँ समझने से पहले  
स्वयं का हो ज्ञान तो कितना अच्छा हो |

यदि वृक्षों के समूह सा हो,  
अपना ये समाज तो कितना अच्छा हो |  
यदि सर्व सुगंधित फूलों से ,  
महके रिश्तों के तार तो कितना अच्छा हो |

यदि वादी की हरियाली सी हो ,  
जीवन में खुशहाली तो कितना अच्छा हो |

यदि सागर की गहराई सी हो  
अपनी सोच निराली तो कितना अच्छा हो |

उन्नति की आपाधापी में  
दौड़ रहे अंधे होकर हम |  
छोड़ के सारे भेद ,  
बन जाए बस इंसान तो कितना अच्छा हो |  
तो कितना अच्छा हो |

सुमन सिंह  
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका- अंग्रेज़ी

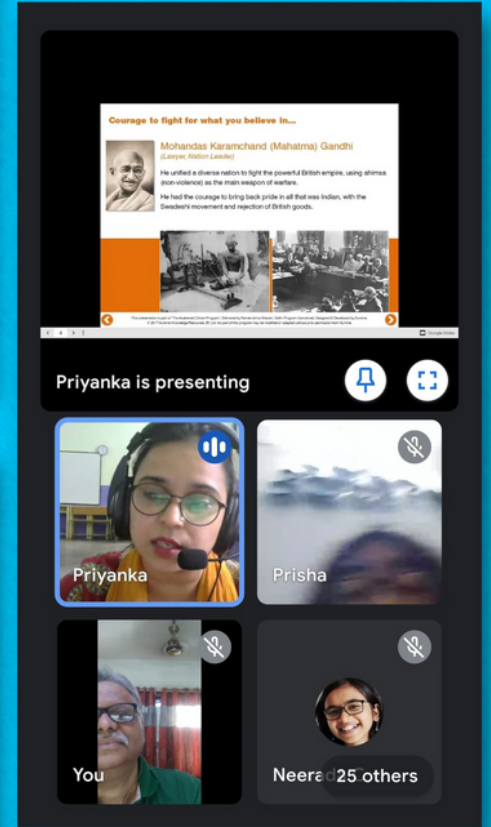
## इस मातृभूमि के लिए

शायद वो जन्में ही थे,  
इस मातृभूमि के लिए।  
इसलिए मरे भी तो,  
इस मातृभूमि के लिए।  
परिवार तो उनका भी था  
लेकिन त्याग दिया उन्होंने  
अपने परिवार को,  
इस मातृभूमि के लिए।  
सपने थे उनके भी आँखों में  
पर वे आँख बहुत जल्दी बंद हो गए,  
इस मातृभूमि के लिए।  
हर कोई वीर जवान  
नहीं बन सकता हैं,

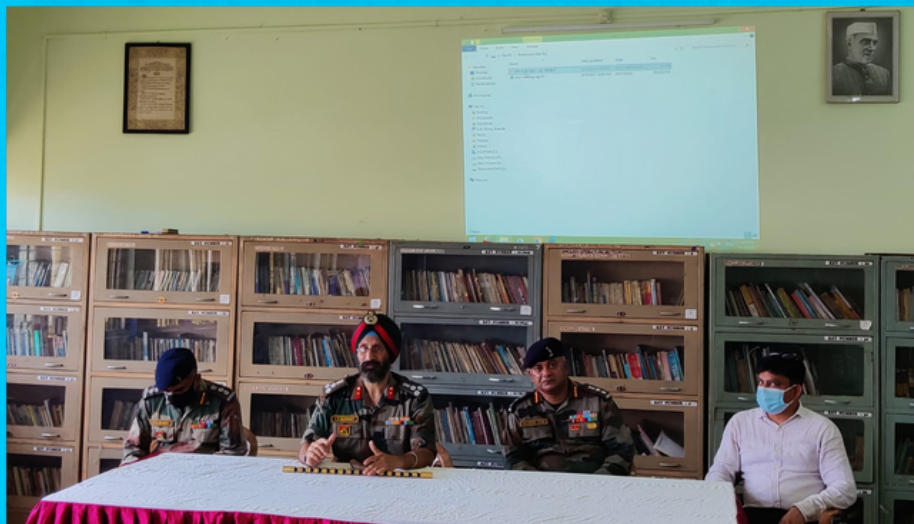
चाहिए उसके लिए एक फ़ौलादी सीना  
जो भरा हुआ हो हौसलें से,  
निडरता से, चाह से की  
वो भी एक दिन कुछ कर पाएगा,  
इस मातृभूमि के लिए।।

मुस्कान कुमारी  
बारहवीं अ

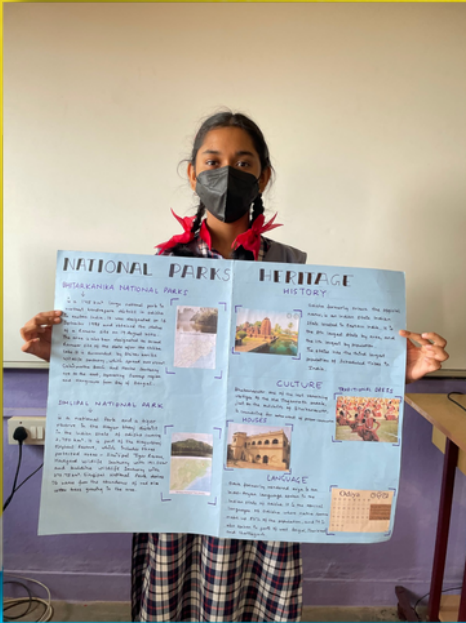
# विद्यालय गतिविधियाँ



# विद्यालय गतिविधियाँ



# एक भारत श्रेष्ठ भारत गतिविधियाँ



# English Section



## ***True Friend***

Friendship is an essential part of everyone's lives. One cannot do without friends; we must have some friends to make life easier. However, lucky are those who get true friendship in life. True friendship is when the person stays by you through thick and thin. Friendship is responsible for teaching us a lot of unforgettable lessons. Some are life-changing so we must cherish friendship. When things go tough, we depend on our friends for comfort. Sometimes it's not possible to share everything with our families, that is where friends come in. We can share everything with them without the fear of being judged. Moreover, true friendship also results in good memories. You spend time with friends and enjoy it to the fullest, later on, these moments become beautiful moments. Through true friendship, we learn about loyalty and reliability. A true friend changes our life for the better and keeps us happy.

**- Priti Naik**

**X A**



## Moon

A cool light,  
A moon light.  
Above the sky  
Sharing to all  
Cooling my mind,  
Cooling others' mind.  
Hiding away while I sleep,  
Promise me come again.

Niya Renjith

2 B

## RAIN

Rain is amazing,  
It makes everyone dance and sing.  
Enjoy the beautiful season  
Without any reason.

Farha Sultana

2 B

# ***THE PROUD SUNFLOWER***

Once upon a time there was a sunflower who was very proud of her beautiful looks.

Her only disappointment was that she grew next to an ugly cactus. Every day the sunflower insults the cactus on her looks while the cactus stayed quiet.

All the other plants in the garden tried to make the sunflower see sense, but she was too swayed by her own looks.

One summer, the well present in the garden grew dry and there was no water left for the plants. The sunflower began to wilt. She saw a sparrow dip her beak into the cactus for some water. Though ashamed, the sunflower asked the cactus if she could have some water. The kind cactus readily agreed and they both got through the hot summer as friends.

**Moral: Never judge a book by its cover.**

- Abhinandan Das  
VII A

# A Tree In my Garden

A tree in my garden ,  
A green green tree,  
Cuckoo on it sings,  
Sings sweet- sweet songs.  
The tree gives me,  
My favourite fruit  
Mango fruit from mango tree.  
I love mangoes.  
So the mango tree.

Varad Vinay Patil  
2 B



# ATTACK ON TITAN

RELEASED - APRIL 7TH 2013

The story is about a young boy, EREN YEAGER, and his friends – Mikara Ackerman and Armin Arlert who join the military (survey corps) to fight off the man-eating creatures (titans), after their hometown is invaded and Eren's mother is eaten. This story heavily depicts the loss of loved ones, separation of families, and how dedicated and responsible the soldiers are when humanity is in danger. But for the time being, to save humanity from Titans, three walls – wall maria, wall rose and wall Sina - were made hundred years ago that are protecting humans. Peace has been kept for over a hundred years.

From a young very young age, Eren craved for freedom. He wanted to be free and to see the outside world, as they were locked inside these walls for the longest time. His ideology was to free his people and he kept fighting for it till the end.

The Attack on Titan draws a lot of inspiration from Norse Mythology. The Titan god – Ymir Fritz was the first person to obtain the power of the Titans. She was a slave of the Old Empire King who abused her and her well-being, hence no ounce of freedom was given to her. After dying, her powers were split into "Nine Titans" for her three daughters. Then for two thousand years, the Titan powers were passed down through generations.

Many of the characters in 'Attack on Titan' represent human responses to trauma. Because of the depressing situation of their hometown, people become unstable. This show doesn't simply depict warfare, it also portrays the political and philosophical differences between the opposing groups and discusses the futility of humans fighting against each other.

One of the morals is, that Eren Yeager, had one major goal: to kill all titans and be free. After joining the military, he realized how tough that would be and failed many times. But that did not stop him and he kept moving forward no matter how hard the situation he got – like losing loved ones or getting betrayed, he took the losses and fought till the end.

Nobody is in the wrong in this cruel world. They kept fighting for what they believed in, and were even punished for their past. Children were taught to hate the other nations (Eldians and Marleyans) and fight. There is no end to war and whether it's between countries, nations, or the universe, there is no end to fights as well. History repeats what we understand by Attack on Titans. But despite the cruelty in the world, it's also very beautiful. As Mikasa and Eren said this. Knowing that there will be something you will look forward to or have hope for in this world.

**- Liyah Amina**  
**X A**

## Cleanliness

Cleanliness is a sweet word,  
Take it as a good word.  
Daily remember to clean,  
To keep the surroundings serene.  
We need it every now and then.  
When you clean the house,  
You feel very happy.

Cleanliness keeps you happy and healthy.  
Everybody needs this "cleanliness" word.  
We feel so happy after cleaning.  
First, I must clean, I have to keep clean.  
Clean mind can lead to good life.  
Clean your surroundings.

One who carry on cleanliness, stays away from infection.

- RISHIMA KADRI  
VIII A



## LIFE: A BEAUTIFUL BOOK

Life is a story in pages  
that gets printed since birth,  
and continue till ages.  
Things are mentioned in very line .

Situations occurred to test you,  
but you don't realize that they are there to shape you.  
at last you remember your every take,  
But it's too late to realize your mistake.

Life is like a story book,  
while filling the pages you need to be careful,  
or else you'll spoil your whole story.  
Because after death you can't reprint it.

**POOJA DIVATE**  
**XTH A**





## EASY AND DIFFICULT

Easy is to judge the mistakes of others,  
Difficult is to recognize our own mistake.

Easy is to hurt someone who loves you,  
Difficult is to heal a wound.

Easy is to set a rule,  
Difficult is to fight for a dream.

Easy is to say we love,  
Difficult is to show it every day.

Easy is to make mistakes,  
Difficult is to learn from them.

- YUVINA MANOJ

XA

# BE YOURSELF

Let the world laugh at you,  
But you, Cheer yourself.  
Let the world wound you,  
But you, Heal yourself.  
Let the world count your impressions,  
But you, believe that you are Perfect.  
Let the world make you cry,  
But you, give Joy to yourself.  
Let the world hate you,  
But you, Love yourself.  
  
Let the world push you down,  
But you, be Yourself.

**-Adishri M Sulebhavi**

**VI B**



# NATURE

Nature I love you.  
I got a poem for you.  
Nature I love you.

Nature are mountains, nature are rivers,  
Nature is a writer, in which a person shivers.  
Nature gives me fruits, nature gives me wood,  
I also care for her because she gives me different food.  
Oh nature! Don't get scared of men. I will save you.  
If they tell me to go away, I will give my life to save you.  
Nature gives us oxygen, which is used in lungs and heart.  
If there is no nature, there is no life on Earth.

- Aayush Behera  
VIII A

# His Home

It was his thirteenth birthday. He woke up with his parents wrapped in the warm sheets. But their skin had no warmth, it was plain cold. They were stinking. He got up from the bed and turned off the AC. It was his last night with his parents, in their arms. Sadly, it was so perfect. He hated it, he wished they would wake up and ruin his morning like they did every day. It was so peaceful.

The silence was deafening to his ears. He prepared himself and reported their deaths. He was soon adopted by a much 'happier' family. He was not so happy about it. He felt anxious that something huge would suddenly go wrong.

Most importantly, he did not feel at home. Everyone tried helping him in a good way but he felt really uncomfortable about it. It was not something he was used to. Sometimes he questioned whether he deserved it. Or, maybe lying beside his parents' corpses felt better. Where he grew up was not exactly a great place for someone to grow up in, yet it was what he recalled every time he thought of home.

And that was what he meant by home. Every time he said it, he meant it.

- Adity Patil  
X A



# STORM BABY

Today I found a storm baby,  
I was really happy.  
I didn't know that it would bite me,  
It was really scary and creepy.

Today I found a storm baby,  
I went to pick it up, but it bit me.  
I didn't know that it would bite me,  
It was really scary and creepy.

**-Aarna Paresh Naik**

**VI B**

# MOTHER



Mother, you're the best person I have ever known.  
A loving, dear friend, you are my very own.  
Mother, you are my angel who brought me into being  
and looked after me.  
You guided me, repaired, and restored me.  
Dear Mom, I will love you forever, and forever you will be.  
You mean the world to me.  
with every year that passes,  
I will love you even more.  
I am grateful to you every day.

**VAISHNAVI**

**VI B**

## Voice! - A Short Horror Story

Alex was a young girl, who recently moved in to her new house with her parents. She was quite unhappy as she had to leave behind all her friends and also her school. And on top of this, she found the house was really creepy. One night, Alex woke up to someone calling her name. She saw a shadow outside her room, and screamed! Later, as the shadow disappeared, she started crying in relief. As she was about to fall asleep again, she heard her name again. But this time it came from upstairs.

She was terrified but then she made some courage and screamed STOP! As the voice stopped, she sobbed and lay on her bed. But then the voice started calling her again. It was almost as if the person calling her was sprinting to her with the speed of lightning. Alex started crying loudly, as the voice made itself to her room. Then came a huge flash and Alex was found passed out on her driveway. No one knows how she came there and what happened.

As this started happening everyday her parents decided to move from the house. Those days of her life were really traumatic. Now after several therapy sessions, many years later, Alex lives a normal peaceful life.

**- Torsha Chandra  
7th A**

## MODERNIZING: A CURSE?

Modernizing, has different meaning in different aspects of life. It can be in living style, science or any other aspect.

But all over it deciphers one thing, going forward, coming up with something better than before. Feeding our curiosity and working on with new projects and experiments, are sometimes lethal for human life. But all for the sake of inventing something new which will answer all questions and make the life of man easier.

But in between, are we getting too modernized? Too greedy for easy life? Being blind and destroying never renewable sources?

Maya civilization, one of the greatest Mesoamerican civilization ever existed. They were mind blowing geniuses. Starting from calendar, sun dial, to the prophecy of world ending in 2012, all were their un-diminishable work. They built something magnificent as Chichen Itza, which has unusual science with sunrise phenomenon behind it. But how did this great civilization disappeared in thin air? What caused the downfall of such a unique civilization?



As mentioned earlier, they were advanced thinkers. They were into inventing new things and developing their surroundings. El Mirador, located near El Petén, Guatemala is a major Maya settlement. It's a place deep in rainforest, where Mayans mainly resided. They decided to construct a road system which they called Sacbe/ Sacbeob which literally meant 'white road', here the main requirements were stone blocks and limestone. To extract the limestone, green leaves were burnt for which lively trees were bought down. They were all into constructing strong, broad, long-lasting road and they were totally successful in that. Even today archaeologists drive their bulky 4-wheelers on the road to know the cause for their destruction,

But in the entire mind for building road they neglected environment and soon they ran out of resources, they ran out of their basic necessity, food. They were forced to move out of their home which was now just a barren land. The saddest fact is that they were never able to finish the road they were building.

History is not boring, it's a great lesson for us mankind. A lesson for us to not repeat the same mistake as Mayans. It's high time for us to be mindful, and to think about environment and not just making our life easy. Or else another lost civilization will take birth.

Thank you!

ADRIJYA MANNA  
XII A

# WATER



Turn on the tap  
And the water flows.  
Does anyone know  
Where the water goes?

Yet water can trickle  
And wells can dry up  
Till there's nothing left  
To fill the cup.

Turn on the tap  
And the water comes.  
Does anyone know  
Where the water's from?

Today there is water  
When we turn the tap on.  
But what will we do  
When the water is gone?

Water is clean  
And the water is cool  
Flowing in river  
And raining in pools

**-M. Sushant**  
**VII B**

# MY SCHOOL



The beautiful long trees  
In the school compound,  
The vastness of my school's  
Great playground.

The long corridors  
With rooms and classes,  
Where students sit and study  
In great masses.

The great big banyan,  
Under which memories spent,  
And we students used to play  
Like a swarm of bees.

It is where I have studied  
And watched my friends go by,  
My relationship with my school is  
Like the Earth and the Sky.

**-ADI PAI  
VIII B**

## THE DAYS OF HAPPINESS

Sitting alone doing nothing  
Feeling lonely and defeated  
No teachers no friends  
Really nothing to study  
Thinking of the past golden  
moments flying past

The days when we all enjoyed  
The days of happiness which went by  
No one to argue with.  
No one to share our thoughts. and feelings

The days of fun and joy  
Which is now only a dream, really a dream,  
Oh! I'm much worried about  
That dreadful day which is  
around the corner.  
The day when we pass out of  
Our wonderful school

I hope these lovely school  
days won't get over.

But it has to.

**-YUVIKA M  
12A**

## MAKE IT GREEN

Lives are crying because it is not green  
Earth is dying because it is not green  
And our environment has lost all its sheen.  
Earth is our dear mother, don't pollute it,  
She gives us food and shelter, just salute it.  
With global warming, it's in danger  
Let's save it by becoming a firm ranger  
With dying flora and fauna, it's in sorrow  
Make green today and tomorrow  
With melting snow, one day it will sink,  
How can we save it, just think;  
Trees are precious, preserve them,  
Like it's a treasure, reserve that gem.  
Grow more trees, make mother Earth green.  
Reduce pollution and make her a Super Queen.

- Pradnya K Jadhav  
VII A



# PATRIOTISM

Patriotism is the feeling of honesty towards our nation. It is a feeling that encourages services to the motherland, as a top priority. Indian freedom is the best example of patriotism. Patriots are the people who were always ready for sacrificing their lives. They help us maintain peace in our nation. The story of Independent India is a very good example of patriotism.

The feeling of patriotism brings people closer and inspires them to act together. A patriot always supports his/her nation. Patriots always try to maintain peace in different religions and cultures. They have a dream to work for our nation. Elder people and educational institutions come forward to make youth understand about Patriotism. Patriots are those who stay in our nation and always have respect towards the motherland. Some patriots have a dream to join the army or the police to protect our nation. They encourage other people to have patriotism for our country. A patriot always think about the county before his own self. Patriotism can be tested in a situation of war, pandemic, and natural catastrophes. They are never ready to leave their country in any type of situation. They live their whole life in their country.

Some of the patriots instead of aiming to join the army or the police force, aim to become a doctor. They hope to help people by giving them medical care and saving lives.

Patriots are not only the people who fight wars on the borders but also the people who help other people daily.

Always stand with Patriots and Our Country.

- Rajat Sharma

IX A

## MY ONLINE LEARNING EXPERIENCE

My online learning experience is a completely different scenario to what it was in a physical classroom. The excitement for I used to have in the physical classroom, is now somehow missing. I am struggling to use technology to complete my homework. In physical classes, my teacher could help me if I had any doubts. But in online classes, I have to use the resources by myself and there is less communication with my teacher. I lose concentration sometimes and looking at the screen causes irritation in my eyes too. I am trying to be a good distant learner. Sometimes my system crashes and poor internet causes a mess in understanding the concepts.

I would choose the physical classroom over online learning as I would not have any of these problems and in learning. It helps me understanding the concepts better.

**- Sethu Nath**

**IX B**

## A BOOK AND A READER

A reader can be anyone and not a specific person. A book can never be separated from its reader; they have a special bond that not everyone can see that. What He/she usually feels is between the book and the reader. When you give a book lover a book, they will make sure that the book is clean and the pages are not folded. They can even be possessive about it. Most book readers don't like sharing their books with others. They have many reasons and feelings as to why and aren't really easy to explain. They will walk into a bookstore to buy one and end up purchasing ten to twenty books. A connection between a book and its reader cannot really be explained with words. It's as if the reader has lived a thousand lives before they die because of books.

- Mehak M Narverkar  
VII B





# THE FUTURE

Before I thought  
The future is a scary place.  
But on a second thought  
I felt it might be an interesting one.

A place full of gadgets,  
A place full of mechanical thoughts.  
A place where robots solve,  
The whole world's crisis.

But then I started thinking  
of problem that might arise  
When I looked into the future  
And the warnings it would usher.

At first I thought that  
Future is a place to remember.  
But now I am clear;  
It's better to live in the present  
And better to fall prey to gadgets.

- Adi Pai  
VIII B

## THOUGHTS

Sometimes, I sit and wonder  
what the world would've been like  
If "the bad" news existed  
Maybe, there would be no crime.

Sometimes I don't understand  
The purpose of being vegan.  
They think it's a sin to slaughter animals  
And that plants don't get hurt.

Is it ok for plants to become extinct,  
While we are busy taking care of the animals?

If eating bacon is bad  
Isn't eating plants a sin either?

Some say there won't be happiness  
if there's no existence of sadness.  
But at least no one would be suffering  
and is there even a need to care?

**-Zia Shaikh  
IX B**

संस्कृत

विभागा

## सूक्तयः

कर्मणा मनसा वाचा चक्षुषाऽपि चतुर्विधम् ।  
प्रसादयति लोकं यस्तं लोकोऽनुप्रसीदति ॥

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् ।  
प्रियं च नानृतं ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः ॥

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।  
तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥

यस्मिन् देशे न सम्मानो न प्रीतिर्न च बान्धवाः ।  
न च विद्यागमः कश्चित् न तत्र दिवसं वसेत् ॥

इन्द्रियाणि च संयम्य बकवत् पण्डितो नरः ।  
देशकालबलं ज्ञात्वा सर्वकार्याणि साधयेत् ॥

आदि पै  
अष्टमी- ब

## सुभाषितानि

काकचेष्टः बकध्यानी शुनोनिद्रः तथैव च ।  
आल्पाहारः गृहत्यागः विद्यार्थी पञ्चलक्षणम् ॥

स्पृशन्नापि गजो हन्ति जिघ्रन्नापि भुजङ्गमः ।  
हसन्नपि नृपो हन्ति मानयन्नापि दुर्जनः ॥

प्राप्तव्यमर्थं लभते मनुष्यो  
देवोऽपि तं लङ्घयितुं न शक्तः ।  
तस्मान्न शोचामि न विस्मयो मे  
यदस्मदीयं नहि तत्परेषाम् ॥

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।  
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

अकिञ्चनस्य दान्तस्य शान्तस्य समचेतसः ।  
मया सन्तुष्टमानसः सर्वाः सुखमयाः दिशः ॥

अर्पित कुमार भोइ  
सप्तमी- अ

## प्रहेलिका:

चक्री त्रिशूली न हरो न विष्णुः  
महान् बलिष्ठो न च भीमसेनः ।  
स्वच्छन्दगामी न च नारदोऽपि  
सीतावियोगी न च रामचन्द्रः ॥

न तस्यादिर्न तस्यान्तः मध्ये यस्तस्य तिष्ठति ।  
तवाव्यस्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद् वद ॥

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।  
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ॥

वृक्षाग्रवासी न च पक्षीराजः त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणिः ।  
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघः ॥

उत्तरम्- (वृषभः, नयनम्, पत्रम्, नारिकेलः)

नीरदा सि.

अष्टमी- अ

## मातृमहत्वविषयकः श्लोकाः

नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गतिः ।

नास्ति मातृसमं त्राणं नास्ति मातृसमा प्रिया ॥ (महाभारतम्)

उपाद्यायान्दशाचार्य आचारेभ्यः शतं पिता ।

सहस्रं तु पितृन् माता गौरवेणातिरिच्यते ॥ (मनुस्मृतिः)

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा ।

मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ॥ (महाभारतम्)

निरतिशयं गरिमाणं तेन जनन्याः स्मरन्ति विद्वांसः ।

यत् कमपि वहति गर्भे महतामपि स गुरुर्भवति ॥ (महाभारतम्)

यश कुमार  
दशमी- ब

## कालविषयकाः श्लोकाः

जन्यानां जनकः कालो जगतामाश्रयो मतः।  
परापरत्वधीहेतुः क्षणादिः स्यादुपाधितः ॥

कालो दिष्टोऽप्यनेहाऽपि समयोऽप्यथ पक्षतिः।  
प्रतिपद्द्वे इमे स्त्रीत्वे तदाद्यास्थितयोः द्वयोः ॥

आराध्य भूपतिमवाप्य ततो धनानि  
भुञ्जामहे वयमिह प्रसभं सुखानि ।  
इत्याशया बत विमोहितमानसानां  
कालो जगाम मरणावधिरेव पुंसाम् ॥

कालः पचति भूतानि कालः संहरते प्रजाः ।  
कालः स्वप्नेषु जागर्ति कालो हि दुरतिक्रमः ॥

न पुत्रा न तपो दानं न माता न पिता सुहृत् ।  
शक्नुवन्ति परित्रातुं नरं कालेन पीडितम् ॥

मनस्वी सूरज  
दशमी- अ



# कला दीर्घा



PRITI NAIK



BHOOMI



ARIELLE



YUGESH

# कला दीर्घा



HARITHA



VIDHI UPADHYAY



SHRUTHI D S



PRIYADARSHINI DAS